TYBA Coaching Centre, Ajmer | Chapter 16 Detailed Story Notes (विस्तृत कहानी मॉडल नोट्स)

Book 2: Art & Culture – Folk Dances, Songs, Musical Instruments & Drama (लोक नृत्य, गीत, वाद्य एवं नाट्य) | Helpline: 6367029449

Story Part 1: How Rajasthan's Desert & Hills Created Living Folk Arts (कहानी: रेगिस्तान और पहाड़ों में लोक कलाओं का जन्म कैसे हुआ?)

EN (The Story): Imagine medieval Rajasthan centuries ago. Life in the Thar desert and Aravalli hills was tough — long summers, scarce water, and frequent battles. Yet, whenever rain fell, crops ripped, or a wedding arrived, villages lit up with music and dance! Kings patronized royal dances like *Ghoomar* and *Tamasha* in Jaipur, while tribal communities (Bhils and Garasiyas) danced *Gavari* and *Walar* in the hills, and nomadic communities like Kalbeliyas and Manganiyars carried their songs across sand dunes. Over time, four types of instruments — strings (*Tat*), wind (*Sushir*), drums (*Avanaddha*), and metal cymbals (*Ghana*) — became the heartbeat of Rajasthan's culture.
HI (आसान कहानी): कल्पना कीजिए आज से सैकड़ों साल पहले के राजस्थान की। थार के रेगिस्तान और अरावली की पहाड़ियों में जीवन कठिन था — तेज गर्मी, पानी की कमी और आए दिन युद्ध होते थे। लेकिन जैसे ही पहली बारिश होती, नई फसल पकती या किसी के घर शादी होती, पूरा गांव गीत और नृत्य से झूम उठता! राजमहलों में घूमर और तमाशा को संरक्षण मिला, तो पहाड़ों में भील और गरासिया समाज ने गवरी व वालर नृत्य किए। कालबेलिया और मांगणियार कलाकारों ने रेत के धोरों में अपनी कला को जिंदा रखा। धीरे-धीरे चार तरह के वाद्य यंत्र (तत, सुषिर, अवनद्ध, घन) राजस्थान की संस्कृति की धड़कन बन गए।

1. Folk Dances of Rajasthan (राजस्थान के प्रमुख लोक नृत्य – विस्तृत बिंदुवार अध्ययन)

A. Regional Folk Dances (क्षेत्रीय लोक नृत्य)

1. Ghoomar (घूमर – State Dance of Rajasthan):
EN: Ghoomar is the "Soul of Rajasthan's Dances" and the official State Dance. Performed mainly by women on Teej, Gangaur, and weddings, it gets its name from the sweeping swirl (*Ghoom*) of the 80-120 kali ghaghra. It follows an 8-beat rhythm called *Sawai* (Kaharwa taal) with Dhol, Nagada, and Shehnai. Variants: *Jhoomario* (by girls), *Loor* (Rajput women), and *Ghoomar* (all women).
HI: घूमर को "राजस्थान के नृत्यों की आत्मा" और "राज्य नृत्य" कहा जाता है। यह मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा तीज, गणगौर और विवाह के अवसर पर किया जाता है। 80 से 120 कली के घाघरे के गोल घुमाव (घूम) के कारण इसका नाम घूमर पड़ा। इसमें ढोल, नगाड़ा और शहनाई के साथ 8 मात्रा के कहरवा ताल की विशेष चाल होती है जिसे **"सवाई"** कहते हैं। इसके तीन रूप हैं: झूमरियो (बालिकाओं द्वारा), लूर (राजपूत महिलाओं द्वारा) और घूमर (सभी महिलाओं द्वारा)।

2. Gair, Gindad, Chang & Daf (गैर, गींदड़, चंग और डफ – होली के नृत्य):
EN: All four are male dances performed around Holi. *Gair* is famous in Mewar and Barmer (Kanana village), where men dance in a circle holding sticks called *Khanda*; Lakhota (Barmer) is famous for *Aangi-Baangi Gair* (wearing red-white robes), and Bhinay (Ajmer) for *Koda Mar Holi*. *Gindad* and *Chang* belong to Shekhawati (Sikar, Churu, Jhunjhunu): in Gindad, men dance in a circle around a central stage (*Manda*) with wooden sticks, and some dress as women (called *Mahari* or *Ganagaur*).
HI: ये चारों पुरुषों द्वारा होली के आसपास किए जाने वाले नृत्य हैं। **गैर नृत्य** मेवाड़ और बाड़मेर (कनाना गांव) का प्रसिद्ध है, जिसमें पुरुष गोल घेरे में हाथों में डंडे (जिन्हें खांडा कहते हैं) लेकर नाचते हैं। बाड़मेर का लाखेटा गांव "आंगी-बांगी गैर" के लिए प्रसिद्ध है। **गींदड़** और **चंग** शेखावाटी क्षेत्र के नृत्य हैं। गींदड़ में बीच में एक ऊँचा मंच (मंडा) बनाकर नगाड़ा बजाया जाता है और कुछ पुरुष महिलाओं का रूप धरते हैं जिन्हें महारी कहते हैं।

3. Dhol (Jalore), Bam Rasiya (Bharatpur), Agni (Bikaner), Nahar (Bhilwara) & Dandiya (Marwar):
EN: *Dhol Dance* of Jalore is performed by men of Dholi, Mali, Sargara, and Bhil communities in the *Thakna* style (starting with slow beats then fast); former CM Jai Narayan Vyas brought it to national fame. *Bam Rasiya* is performed by men in Alwar-Bharatpur on Holi to celebrate new crops using a huge *Bam* (Nagada) while singing *Rasiya* songs. *Agni Nritya* is performed by Jasnathi Siddha men at Katariyasar (Bikaner) on burning embers shouting "Fateh-Fateh", with Maharaja Ganga Singh giving it royal patronage. *Nahar Dance* of Mandal (Bhilwara) started during Mughal Emperor Shah Jahan's visit on Chaitra Krishna Trayodashi (men tie cotton to look like lions). *Dandiya* is Marwar's stick dance, and *Bindori* belongs to Jhalawar.
HI: जालोर का **ढोल नृत्य** ढोली, माली, सरगड़ा व भील पुरुषों द्वारा **"थाकना शैली"** में किया जाता है; इसे पूर्व मुख्यमंत्री जय नारायण व्यास ने पहचान दिलाई। अलवर-भरतपुर का **बम रसिया नृत्य** नई फसल की खुशी में बड़े नगाड़े (बम) के साथ रसिया गीत गाकर किया जाता है। कतरियासर (बीकानेर) का **अग्नि नृत्य** जसनाथी सिद्ध पुरुष अंगारों पर "फतेह-फतेह" बोलकर करते हैं (महाराजा गंगासिंह ने संरक्षण दिया)। भीलवाड़ा के मांडल का **नाहर नृत्य** शाहजहाँ के समय शुरू हुआ जिसमें पुरुष रुई लपेटकर शेर बनते हैं। मारवाड़ का डांडिया और झालावाड़ का बिंदोरी नृत्य भी प्रसिद्ध हैं।

B. Professional / Caste Folk Dances (व्यावसायिक एवं जातीय लोक नृत्य)

1. Terah Taali (तेरहताली), Bhawai (भवाई) & Kachchhi Ghodi (कच्ची घोड़ी):
EN: *Terah Taali* is performed by sitting women of the **Kamad** sect at Ramdevji fairs (origin: Padarla village, Pali) using **13 Manjeeras** (9 tied to right leg, 2 on elbows, 2 in hands) while men play Tandura/Chautara; **Mangi Bai** (Padarla), Mohini, and Laxmandas Kamad are top artists. *Bhawai* (origin: Kekri/Udaipur by Bagaji Jat) features acrobatic feats like balancing 7–9 brass pots on the head and dancing on broken glass, thali edges, or swords; famous artists: Roop Singh Shekhawat, Tara Sharma, Pushpa Vyas (1st female), and **Asmita Kala** (111 pots record). *Kachchhi Ghodi* of Shekhawati is a male wedding dance with dummy wooden horses moving in 4-4 rows creating flower patterns to Dhol, Bankiya, and Jhanjh.
HI: तेरहताली नृत्य रामदेवजी के मेले में **कामड़** जाति की महिलाएं बैठकर करती हैं (उद्गम: पादरला, पाली)। इसमें शरीर पर **13 मंजीरे** (9 दाएं पैर पर, 2 कोहनियों पर, 2 हाथों में) बांधे जाते हैं; मांगी बाई और लक्ष्मणदास कामड़ इसके प्रमुख कलाकार हैं। **भवाई नृत्य** (प्रवर्तक: बाघाजी जाट) उदयपुर संभाग का चमत्कारिक नृत्य है जिसमें सिर पर 7-9 मटके रखकर कांच के टुकड़ों, थाली की धार या तलवार पर नृत्य किया जाता है; अस्मिता काला ने सिर पर 111 घड़े रखकर रिकॉर्ड बनाया। **कच्ची घोड़ी** शेखावाटी के पुरुषों का विवाह नृत्य है जिसमें काठ की घोड़ी पहनकर 4-4 की पंक्ति में फूल खिलने जैसा दृश्य बनाते हैं।

2. Kalbeliya (कालबेलिया – UNESCO Heritage) & Chari (चरी नृत्य):
EN: *Kalbeliya* dances were inscribed on the **UNESCO Intangible Cultural Heritage list in 2010** , made world-famous by **Gulabo Sapera** (Padma Shri 2016). Its 4 sub-dances are: *Indoni* (couple, Pungi & Khanjari), *Shankariya* (love story couple dance), *Panihari* (based on water-fetching song), and *Bagadiya* (women begging with Chang). *Chari Dance* belongs to Gurjar women of **Kishangarh (Ajmer)** balancing a brass pot with burning cottonseeds (*Kakda*); **Falaku Bai** made it famous globally.
HI: कालबेलिया नृत्य को **2010 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची** में शामिल किया गया; इसे विश्व प्रसिद्ध बनाने का श्रेय **गुलाबो सपेरा** (पद्मश्री 2016) को जाता है। इसके 4

रूप हैं: इंडोनी, शंकरिया (प्रेम कथा आधारित), पनिहारी और बागड़िया (भीख मांगते समय)। **चरी नृत्य** किशनगढ़ (अजमेर) की गुर्जर महिलाओं द्वारा सिर पर पीतल की चरी में कपास के बीज (काकड़ा) जलाकर किया जाता है; इसकी प्रसिद्ध नृत्यांगना **फलकू बाई** हैं।

C. Tribal Folk Dances (जनजातीय लोक नृत्य)

Tribe / जनजाति	Major Dances & Exam Details (प्रमुख नृत्य एवं परीक्षा तथ्य)
Bhil (भील)	**Gavari / Rai** (40-day daytime dance-drama, Shiva-Bhasmasur), **Gair**, **Neja** (Holi pole game-dance), **Hathimana** (men sit on knees with sword at wedding), **Dwichakri** (two circles), **Yuddh** (weapon dance), **Ghumra**.
Garasiya (गरासिया)	**Walar** ("Ghoomar of Garasiyas", slow couple dance *without any musical instrument*), **Loor** (women ask for marriage alliance), **Mandal**, **Kud** (clapping, no instrument), **Jawara** (Holi, sorghum stalks), **Moria** (men before marriage), **Gaur** (Gangaur).
Kanjar (कंजर)	**Chakri** (unmarried girls spin fast in Hadoti on Teej; Shanti Devi, Phulwa, Filma), **Dhakad** (men weapon dance), **Lathi**.
Sahariya & Kathodi	Sahariya (Baran): **Shikari, Jhela, Lehangi, Indrapari, Bichhua**. Kathodi (Udaipur): **Mavaliya** (Navratri, men) & **Holi** (women wear Marathi-style *Fadaka* saree).
Meo & Banjara	Meo (Alwar-Bharatpur): **Ranbaja** (couple) & **Ratwai** (women). Banjara: **Machhali Dance** (starts with joy, ends in sorrow).

Story Part 2: From Desert Songs to the 4 Classes of Instruments (कहानी: मरुधरा के गीत और 4 तरह के वाद्य यंत्र)

EN (The Story): In Rajasthan, songs tell what people feel when words fall short — a wife waiting for her husband sings *Kurja* looking at migratory birds, while Bhil women send messages via a parrot in *Suvatiya*. To accompany these songs, desert artisans crafted instruments from local materials: coconut shells and horsehair made the *Ravanhattha* (Tat), two bamboo pipes joined together became the State Instrument *Algoza* (Sushir), hollowed mango wood and goatskin created the *Dhol* and *Deru* (Avanaddha), and brass bells made the *Manjeera* and *Khartal* (Ghana).
HI (आसान कहानी): राजस्थान में जब शब्द कम पड़ जाते हैं, तो लोक गीत मन की बात कहते हैं — परदेस गए पति की याद में पत्नी कुरजां पक्षी से संदेश भेजती है, तो भील महिलाएं तोते के जरिए सुवटिया गीत गाती हैं। इन गीतों को सुर देने के लिए गांव के कारीगरों ने स्थानीय चीजों से वाद्य यंत्र बनाए: आधे नारियल से रावणहत्था (तत), दो बांसुरियों को जोड़कर राज्य वाद्य अलगोजा (सुषिर), आम की लकड़ी व चमड़े से ढोल/डेरू (अवनद्ध), और पीतल-कांस्य से मंजीरा व खड़ताल (घन वाद्य) बनाए गए।

2. Folk Songs & Singing Styles of Rajasthan (राजस्थान के प्रमुख लोक गीत एवं गायन शैलियाँ)

A. Major Singing Styles (प्रमुख गायन शैलियाँ)

1. Maand (मांड), Manganiyar (मांगणियार), Langa (लंगा), Talabandi (तालबंधी) & Haveli Sangeet (हवेली संगीत):
EN: *Maand* is Rajasthan's premier classical-folk style originating in Jaisalmer ("Maand" region). Its immortal song **"Kesariya Balam Aao Ni Padharo Mhare Desh"** is the State Song of Rajasthan, first sung by **Mangi Bai Arya** and popularized worldwide by **Allah Jilai Bai** (Bikaner, Padma Shri 1982, Rajasthan Ratna 2012); other singers: Gavari Devi (Jodhpur/Pali), Banno Begum (Jaipur), Jamila Bano. *Manganiyar* (Jaisalmer-Barmer) sing auspicious songs with Kamaycha and Khartal (Sadiq Khan, Sakar Khan), while *Langa* sing with Sindhi Sarangi. *Talabandi* belongs to eastern Rajasthan (Karauli, Bharatpur, Sawai Madhopur), and *Haveli Sangeet* to Nathdwara's Pushtimarg temples.
HI: मांड गायकी जैसलमेर क्षेत्र (मांड प्रदेश) से उपजी शास्त्रीय-लोक शैली है। राजस्थान का राज्य गीत **"केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश"** मांड शैली में ही है, जिसे सर्वप्रथम मांगी बाई आर्य ने गाया और बीकानेर की **अल्लाह जिलाई बाई** (पद्मश्री 1982, राजस्थान रत्न 2012) ने विश्व प्रसिद्ध किया; गवरी देवी और बन्नो बेगम अन्य प्रमुख गायिकाएँ हैं। पश्चिमी राजस्थान के **मांगणियार** (कमायचा व खड़ताल — सदीक खां, साकर खां) व **लंगा** (सारंगी) पेशेवर गायक हैं। पूर्वी राजस्थान में **तालबंधी** और नाथद्वारा में **हवेली संगीत** प्रसिद्ध है।

B. Important Folk Songs by Occasion (अवसर अनुसार प्रमुख लोक गीत)

Song Name / गीत	Theme & Exam Fact (विषय एवं परीक्षा तथ्य)
Gorbandh & Moomal	Gorbandh: Camel neck ornament (गले का आभूषण) song; Moomal: Beauty of Princess Moomal of Lodrava (Jaisalmer). / गोरबंद ऊँट का श्रृंगार; मूमल लोद्रवा की राजकुमारी।
Kurja, Pipali, Hichki, Kaga	Separation (विरह) songs: Kurja (migratory bird), Hichki (Mewat — remembering someone), Kaga (crow predicts guest arrival). / विरह व संदेश के गीत।
Suvatiya & Hamseedho	Bhil songs: Suvatiya (women send message via parrot); Hamseedho (men & women sing together in Mewar/Vagad). / भील जनजाति के प्रमुख गीत।
Ooliyu, Jalal, Kamad, Seethne	Wedding songs: Ooliyu (bride farewell / विदाई), Jalal/Jala (ladies inspect groom's camp), Kamad (protect groom from magic), Seethne (humorous teasing songs / गाली गीत).
Pateliyo-Bichhiyo-Lalar & Teja	Pateliyo, Bichhiyo, Lalar: Hilly/Mewar folk songs; Teja: sung by farmers before starting ploughing (बुवाई के समय); Harjas: devotional songs of Ram-Krishna.

3. Four Categories of Folk Musical Instruments (राजस्थान के लोक वाद्य यंत्रों का वर्गीकरण)

Category / श्रेणी	Key Instruments & Exact Exam Facts (प्रमुख वाद्य यंत्र एवं सटीक परीक्षा तथ्य)
1. Tat Vadya (तत – String)	**Ravanhattha:** Made of half coconut shell + bamboo, 9 strings, played by Bhopas of Pabuji, Ramdevji & Dungji-Jawaharji. **Kamaycha:** 27 strings, played by Manganiyars (Padma Shri Sakar Khan). **Sarangi:** Best Tat instrument (4 types: Sindhi, Gujaratan, Alabu, Dhani); Ramnarayan & Sultan Khan. **Jantar:** Played by Gujar Bhopas of Devnarayanji (2 gourds). **Bhapang:** Mewat/Alwar (Looks like Damaru); Zahoor Khan Mewati ("Jadugar of Bhapang") & Umar Farooq Mewati. **Others:** Ektara (Adikavi Narad), Chautara/Tandura (4 strings, Kamad), Chikara, Rabab, Surinda, Dukako (Bhils).

Category / श्रेणी	Key Instruments & Exact Exam Facts (प्रमुख वाद्य यंत्र एवं सटीक परीक्षा तथ्य)
2. Sushir Vadya (सुषिर – Wind)	**Algoza:** Official **State Instrument of Rajasthan** (two joined bamboo flutes); Ramnath Chaudhary (plays with nose). **Morchang:** Smallest wind instrument made of iron, held between teeth (Jew's harp). **Nad:** Long wooden flute played by Karna Bhil (Jaisalmer). **Pungi/Been:** Snake charmers (Kalbeliya); **Mashak:** Bagpipe played by Bhairuji Bhopas (Shravan Kumar). **Others:** Shehnai (Bismillah Khan, Chand Khan), Bansuri, Bankiya, Bhungal/Ranbheri, Satara, Surnai, Shankh, Tota.
3. Avanaddha Vadya (अवनद्ध – Drum)	**Dhol & Nagada:** Ramkishan Solanki (Pushkar) is famous Nagada player ("Jadugar of Nagada"). **Maadal:** Clay drum played by Bhils during Gavari & Garasiyas. **Deru:** Made of mango wood, played during Gogaji worship. **Pakhawaj/Mridang:** Pandit Purushottam Das (Nathdwara). **Others:** Chang & Daf (Holi), Damaru, Tasha (Muharram), Dhak (Bagar), Nobat (temples/forts), Kunndi.
4. Ghana Vadya (घन – Metal)	**Manjeera:** Pair of brass cups; 13 used in Terah Taali dance. **Khartal:** Wooden/brass clappers; Sadiq Khan Manganiyar ("Jadugar of Khartal"). **Jhanjh:** Big Manjeera played in Kachchhi Ghodi dance. **Others:** Thali (Pabuji & birth of son), Chimta, Ghungroo, Ramjhol (ankle bells), Bharni (snakebite cure), Shrimandal, Lezim.

4. Major Folk Dramas of Rajasthan (राजस्थान के प्रमुख लोक नाट्य)

Folk Drama / लोक नाट्य	Region, Founder & Key Exam Fact (क्षेत्र, प्रवर्तक व प्रमुख तथ्य)
Kuchamani Khayal	Origin: Nagaur; Founder: **Lacchiram** (famous artist: Ugmaram); opera style; plays: *Chand Nilagiri*, *Rao Ridmal*, *Meera Mangal*. / कुचामनी ख्याल: लच्छीराम व उगमराम।
Shekhawati Khayal	Also called *Chidawa Khayal*; Founder: **Nanuram**, popularized by **Duliya Rana**; plays: *Heer-Ranjha*, *Harishchandra*, *Dhola-Maru*. / चिड़ावा ख्याल: नानूराम व दूलिया राणा।
Hela & Jaipuri Khayal	Hela: Dausa, Lalsot, Sawai Madhopur (Founder: Shayar Hela; loud call "Hela" + Nobat). Jaipuri: Gunijankhana artists, women roles played by women.
Turra-Kalangi Khayal	Origin: Chanderi (MP), famous in **Chittorgarh (Ghosunda, Nimbahera)**; Founders: **Shah Ali** (Kalangi/Parvati) & **Tukangir** (Turra/Shiva); Chetram, Hamid Beg, Jaydayal Soni.
Tamasha (तमाशा)	Jaipur (started under **Sawai Pratap Singh**); brought from Maharashtra by **Bansidhar Bhatt**; performed in open *Akhada*; Gopi Ji Bhatt & Phoolji Bhatt.
Rammat (रम्मत)	Bikaner (Paton ka Chowk, Acharyaon ka Chowk) & Jaisalmer; started by Pushkarna Brahmins; **Tejkavi** (Jaisalmer) wrote *Swatantra Bawani* (gifted to Mahatma Gandhi in 1943).
Swang & Nautanki & Charbait	Swang/Bahurupiya: **Janakilal Bhand** (Bhilwara — "Monkey Man"). Nautanki: Bharatpur/Dholpur (Bhurilal, Giriraj Prasad). Charbait: Tonk (pathan qawwali style with Daf, Abdul Karim Khan).

5. Famous Folk Artists, Padma Awardees & Cultural Institutions (प्रमुख कलाकार, सम्मान एवं संस्थान)

Artist / Institution (कलाकार / संस्थान)	Field & Exam Fact (क्षेत्र एवं परीक्षा तथ्य)
Allah Jilai Bai (अल्लाह जिलाई बाई)	Maand Singing (Bikaner); Padma Shri (1982), Rajasthan Ratna (2012). / मांड गायिका; पद्मश्री 1982 व राजस्थान रत्न 2012।
Gulabo Sapera (गुलाबो सपेरा)	Kalbeliya Dance; Padma Shri (2016); took Kalbeliya to UNESCO (2010). / कालबेलिया नृत्यांगना; पद्मश्री 2016।
Sakar Khan & Sadiq Khan	Sakar Khan = Kamaycha maestro (Padma Shri 2012); Sadiq Khan = Wizard of Khartal. / साकर खां (कमायचा) व सदीक खां (खड़ताल)।
Pt. Ramnarayan & Sultan Khan	World-famous Classical Sarangi players from Rajasthan. / राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय सारंगी वादक।
Zahoor Khan & Ramnath Chaudhary	Zahoor Khan Mewati = Wizard of Bhapang; Ramnath Chaudhary = Plays Algoza with nose. / भपंग व अलगोजा वादक।
Rupayan Sansthan (Borunda)	Founded 1960 at Borunda (Jodhpur) by Komal Kothari & Vijaydan Detha to preserve folk arts. / रूपायन संस्थान: कोमल कोठारी।
Bharatiya Lok Kala Mandal (Udaipur)	Founded 1952 by Devilal Samar for folk arts & puppetry (Kathputli). / भारतीय लोक कला मंडल (1952): देवीलाल सामर।
Jawahar Kala Kendra (Jaipur)	Designed by Charles Correa (1993) on 9-planet (Navagraha) Vastu theme for arts. / जवाहर कला केंद्र (1993): चार्ल्स कोरिया।

TYBA Coaching Centre, Ajmer (TYBA कोचिंग सेंटर, अजमेर) | Director: Narayan Prajapati (Narayan Sir) | Helpline: **6367029449**